दैनिक कामयाब कलम 29/03/2016

राज्य में विवाह पंजीयन की ऑनलाईन सेवा पहचान पोर्टल द्वारा ई-मित्रों पर शुरू

जयपुर।

आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेषालय, आयोजना विभाग के वेबपोर्टल पहचान के माध्यम से ऑनलाईन विवाह पंजीयन का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री महोदया द्वारा सोमवार 21 मार्च, 2016 को राजस्थान आई.टी. दिवस पर बिडला ऑडिटोरियम, जयपुर में किया। माननीया मुख्यमंत्री महोदया नें उपस्थित नव दम्पतियों चीना शर्मा एवं विकास शर्मा, कुसुम शर्मा एवं सोमेष भारद्वाज, सुमन मीना एवं कमलेष कुमार मीना, प्रियंका जैन एवं अमित गोयल, रेखा सैनी एवं पुष्पेन्द्र चौरडिया, आयुषी जैन एवं वैभव छाबड़ा, को पहचान पोर्टल द्वारा ई-मित्र केन्द्रों के माध्यम से डिजिटली कम्प्यूटीकृत विवाह प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। जन्म, मृत्यु के बाद अब विवाह पंजीयन कार्य को ऑनलाईन करने में राजस्थान, देष के अग्रणी राज्यों में से एक हैं।

सूचना और प्रौद्योगिकी की नवीनतम तकनीकों का समावेष कर राज्य में सेवा प्रदाय प्रणाली को अधिक पारदर्षी एवं आमजन के लिए सुगम बनाने के प्रयासों के अन्तर्गत आयोजना विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेषालय, राजस्थान द्वारा अभिनव पहल करते हुए राज्य में 01 जनवरी, 2014 से जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं का ऑनलाईन रजिस्ट्रेषन विभागीय वेबपोर्टल ''पहचान'' के माध्यम से किया जा रहा है। राजस्थान जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2000 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत के ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव को एवं शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकायों के अधिषाषी अधिकारियों को जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार घोषित किया हुआ है। इस प्रकार राज्य में जन्म-मृत्यु पंजीयन एवं विवाह पंजीयन के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रजिस्ट्रार की एक समान व्यवस्था है।

इसी श्रृंखला को अब आगे बढाते हुए विवाह पंजीयन का कार्य वेबपोर्टल 'पहचान' के माध्यम ऑनलाईन प्रारम्भ किया गया है।